ललितपुर में मुनि पुंगव सुधासागर जी की अभूतपूर्व, ऐतिहासिक अगवानी की साक्षी बनी हजारों-हजार अखियां

सुनील जैन 'संचय', ललितपुर। गुरूवार को परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि,मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज,नगर गौरव मुनि 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज, ऐलक श्री धैर्यसागर जी महाराज, छुल्लक श्री गम्भीरसागर जी महाराज की ललितपुर नगर में भव्य अगवानी में जैन –अजैन पूरे ललितपुर शहर के श्रद्धालुओं से डेम तिराहे से क्षेत्रपाल मंदिर तक अपार जनसमूह एवं धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाऐं गाजे- बाजों के साथ धर्म प्रभावना करती नजर आ रही थी। प्रातः उनका पद विहार गौशाला परिसर से हुआ। क्षेत्रपाल मंदिर जी में पहुंच कर जुलूस धर्म सभा में परिवर्तित हो गया एवं पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज की दिव्य देशना का श्रवण कर सभी ने पुण्यार्जन किया।

नगर में जगह जगह रंगोली, तोरणद्वार, मंगल कलश, बैनर-फ्लेक्स, ढोल-नगाड़ों की गड़गड़ाहट, रमतूला-दिलदिल घोड़ी के साथ मनमोहक नृत्य, ललितपुर के प्रसिद्ध तैय्युव खान की आवाज में भक्ति गीत, वीर व्यायाम शाला, वीर सेवा संघ, बाहुबली नगर के दिव्यघोष भीड़ को उत्साहित कर रहे थे । आदिनाथ सेवा संघ बाहुबली नगर द्वारा की गई नगर सज्जा, जेसीबी मशीनों पर से की गई रत्नवर्षा, पालकी पर बैठी इन्द्राणियों द्वारा पुष्प वर्षा एवं रेम्प पर मुनिसंघ की मंगल आरती अगवानी के मुख्य आकर्षण रहें।

स्वयंसेवी संस्थाओं-महिलावर्ग की समितियों, सुधासागर इंटर कालेज की छात्राओं-शिक्षिकाओं, महावीर बाल विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं द्वारा अगवानी भव्य रुप से की गयी । जैनेतर समुदाय के अनेक संगठनों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। रास्ते में अनेक स्थानों से पुष्प वर्षा की गई।

10 वर्षो के पश्चात पधारे मुनिश्री ससंघ के दर्शन पाकर जनपद एवं दूर नगरों से पधारे श्रद्धालुओं के चहरों पर अद्भुत चमक दिखाई दे रही थी, अत्यधिक तेज गर्मी (धूप) और तपन के बाबजूद भीड़ मुनिश्री के साथ जनसैलाब जय गुरुदेव के गगनभेदी नारों के साथ उत्साह से बढ़ती ही जा रही थी। अब गुरुदेव का प्रवास पूरे चातुर्मास की समय अवधि के लिये ललितपुर में होगा, पूज्य गुरुदेव के श्रीमुख से नित प्रतिदिन सुबह, मंगल प्रवचन एवं शाम को जिज्ञासा समाधान का कार्यक्रम सम्पन्न होगा जिसे जिनवाणी अन्य चैनलों के माध्यम से विश्व के 122 देशों में देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य ने सपरिवार मुनिश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। संचालन जैन पंचायत के अध्यक्ष अनिल जैन अंचल ने किया।

क्षेत्रपाल जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री सुधा सागर जी ने कहा कि धर्म साथ में चला जाता है,संस्कृति हमेशा जीवंत रहती है । भगवान आदिनाथ, महावीर के साथ उनका धर्म चला गया, लेकिन उनकी संस्कृति आज भी जीवंत है। आपके साथ भी धर्म चला जायेगा लेकिन आपकी संस्कृति जीवित रहेगी। क्षेत्रपाल मंदिर में भव्य मंदिर, कीर्ति स्तम्भ के निर्माण के दौरान ललितपुर जैन समाज ने संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। 800 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई इतना बड़ा कीर्ति स्तम्भ बनकर तैयार हुआ है। मंदिर के बाहर सबसे पहले मुझे कीर्ति स्तम्भ के दर्शन हुए , अब निश्चित है कि यह चातुर्मास कीर्तिमान स्थापित करेगा। ललितपुर की समाज में नई उमंग और उत्साह देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। चार महीने यहाँ धर्म गंगा प्रवाहित होगी। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई को चातुर्मास कलश स्थापना में नगर के प्रत्येक व्यक्ति को एक कलश स्थापित करना है और दीपावली पर प्रत्येक घर-घर में यह कलश पहुँचना चाहिए। मैं सभी के घर तो नहीं पहुँच पाऊँगा लेकिन कलश के माध्यम से प्रत्येक घर में मेरा आशीर्वाद पहुँचेगा। भक्तों का भारी उत्साह देखते हुए मुझे तो लग रहा था कि मैं क्षेत्रपाल मंदिर पहुंच ही नहीं पाऊंगा, लेकिन पुलिस प्रशासन की जागरूकता से मैं यहाँ तक पहुँच पाया हूँ।

ललितपुर के लोग से संस्कृति को आगे बढ़ाने में सदैव अग्रणी रहते हैं। क्षेत्रपाल मंदिर इसी का परिणाम है। मुनिश्री की नगर अगवानी के दौरान बुलडोजर आकर्षण का केन्द्र रहा । श्रद्धालुओं ने रास्ते के किनारे बुलडोजर लगाकर उनमें बैठकर पुष्प वर्षा की। क्रेन से भी श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की। मुनिश्री एक झलक पाने के लिए जहाँ लोग अपने छतों एवं छतों की गैलरी में खड़े दिखाई दिए वहीं नगर की हृदय स्थली घंटाघर पर चढ़ गए।

श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास की साधारण सभा 21 अगस्त रविवार को

बाहुबली जैन, इन्दौर । गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज इन्दौर की 20 वीं साधारण सभा न्यास भवन 64 न्यू देवास रोड पर 21 अगस्त 2022, रविवार को दोपहर 1 बजे आयोजित की गई हैं।

साधारण सभा में गोलालारीय समाज न्यास से जुड़े हुए सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा कर उचित निर्णय लिए जावेंगे । गोलालारीय समाज न्यास वर्ष 2002 में गठित किया गया था न्यास के अंतर्गत गोलालारीय समाज, इन्दौर की सभी गतिविधियां विगत 20 वर्षों से सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं इन 20 वर्षों में गोलालारीय समाज इन्दौर ने बहुत प्रगति की हैं प्रतिवर्ष क्षमावाणी आयोजन करना, आयोजन में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करना, समाज के लिए बहुउद्देशीय उपयोग के लिए भूमि क्रय करना, न्यू देवास रोड मंदिर का जीर्णोद्धार करना, कुमेड़ी स्थित लार्ड आदिनाथ कालोनी में नवीन मंदिर का निर्माण करना व शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए मदद करना आदि कार्य इस न्यास की उल्लेखनीय पहल हैं कुमेड़ी स्थित लॉर्ड आदिनाथ कॉलोनी में स्थित आदिनाथ जिनालय का पंचकल्याणक 2022-23 में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए समाज कार्यकारिणी सतत प्रयासरत हैं।

20 वीं साधारण सभा में कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित किए गए विषयों पर विस्तृत चर्चा की जानी है जिसमें गत वर्ष की आय-व्यय पत्रक पर चर्चा, आगामी वर्षो के लिए बजट का निर्धारण करना, न्यू देवास रोड व कुमेड़ी स्थित मंदिर की व्यवस्था और संचालन की कार्ययोजना पर चर्चा, पंचकल्याणक महोत्सव पर इंदौर समग्र जैन समाज के साथ साथ देश भर के गोलालारीय परिवारों को भी आमंत्रित करना हैं, **"प्रयास रिश्तों को जोड़ने का..."** पत्रिका के बारे में विस्तृत चर्चा करना, समाज की एकमात्र पत्रिका **"गोलालारीय दर्शन"** की प्रगति से अवगत कराने के साथ ट्रस्ट में दान देने पर 80-जी के अन्तर्गत आयकर में छूट मिलने की पात्रता न्यास को इस वर्ष प्राप्त हो गई है जिस पर चर्चा करना।

इन्दौर समाज के सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि वे साधारण सभा में उपस्थित होकर समाज की प्रगति में अपने विचार रख सहभागी बने।

आगामी अंक – तप साधना करने वाले सदस्यों को सादर समर्पित

सदस्य गोलालारीय परिवार का होना अति आवश्यक हैं। सदस्य को अपनी प्रविष्टी भेजते समय परिवार मुखिया का नाम, नगर का नाम व मोबाईल नम्बर देना अनिवार्य है । निर्धारित जानकारी के अभाव में प्रविष्टि स्वीकार योग्य नहीं होगी । गोलालारीय समाज का आगामी अंक अक्टूबर 2022 को प्रकाशित किया जावेगा जिसमें प्रयूर्षण पर्व में आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी प्रकाशित किया जाना है साथ ही 5 व उससे अधिक तप साधना करने वाले सदस्यों का सचित्र जानकारी प्रकाशित की जावेगी ।

तप साधना करने वालों के लिए अति आवश्यक नियमावली इस प्रकार से हैं –

* 5 या उससे अधिक निर्जल तपसाधक अपना विवरण अनिवार्य रुप से लिखे । * साधक के 5 या उससे अधिक उपवास निरंतर होना जरूरी हैं इस श्रेणी में सिर्फ एक समय जल या अन्य कोई एक पेय प्रदार्थ ही ग्रहण किया हो । * एक दिन छोड़कर एक दिन उपवास इस श्रेणी में नहीं आवेगा ।

* आप अपने आप को साक्षी मानकर प्रविष्टि भेजें और यह सुनिश्चित कर लेवें कि आपके द्वारा भेजी गई सभी जानकारी सही है । आपके द्वारा भेजी गयी जानकारी के आधार पर हम प्रकाशन करते है । अतः हमारा सभी साथियों से करबद्ध निवेदन है कि वे नियम पालन करते हुए अपनी प्रविष्टि प्रेषित करें। **प्रविष्टि आप वाट्सएप्प नंबर 9407453066 पर अनिवार्य रुप से भेजें। यह नंबर चर्चा के लिए उपलब्ध नहीं है।**

नाम _____

पिता/पति का नाम _____

परिवार मुखिया का नाम _____

शहर का नाम _____

मोबाइल नंबर _____

उपवास की संख्या _____

उपवास का विवरण _____

तपसाधक का नवीन फोटो लगावें

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, संपादक मंडल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।
स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स 127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौ से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित ।